

ASMA ARCHIVES

141	
Rajendra Prasad	

ग न सा

आ त न

स न गु रु न मा

रु र कान न लान य का द

० ती र थान ड र प वि धि ल व

ग न सा ॥ स न

स न सा

॥ २ ॥

सूर्यार्थी तावनी वा
स १ वर्ष १ मा ८ नन्दग

सुद निडा दुपा दान पूय द पात स्याय
डा ॥ मिखा स्याय डा ॥ द्विथ र द्याय डा
गदि निरु म् डा इद् म हा नि डाः पि सा

गहन नात्रि सरथा मिवा ॥ थत या सां मी ॥ अम त स
सा स रि व न धि ता वा ॥ पा ता स न वा य ॥ विदि न हा या व ॥
र व् मि त धि ता या चा ह या डा ॥ न र थ य के कू ७ १ या डा थ

या डा ॥ खा त पात २ मा ७ स पा त १ ८ क स पा त १ का गा प्
१ प त प म् २ खा त स स्वाय ॥ का गा प ता ६ गो गि या र वा त ध
१ रु य के ॥ तो य प तो प ल ॥ धूप ॥ नि ग्व वा त ७ १ हा ॥
हा वि ष् त्रि थ त धे न हा ता डा कू थ न ॥ न म हा
डा गो गि गा ३ मा द नो सि वा मि ॥ म म् ॥
वा व ना य स्वा हा ॥ पु जा वि य व दि स
त स दि न ३ के कू ७ १ वा मि या त वि य

प्रायशदिन २ मास
 ग्राहकन कडाया नरु
 ना॥ न के स क न य पू व ॥ हाने कुक
 लोगः चाने किन दु म गो नि शो ॥
 डी यि व ॥ सु पा यि व ॥ पति व
 न थ ॥ क चि द यि व ॥ न य स चि
 त म श न ॥ ना रू प न चा रू स
 श यि डी ॥ थ न या सा कि ॥

२
 आ य म त स ॥ सा स खि न थ ना श ॥ प दा क प्र कि ॥
 हा पा डी ह लि दि स ता क क नि ना श ॥ स त्र थ पा गा
 कि कू ल कि ९ जा थु मा शी ॥ र वा न पा त २ मा ड स पा त
 ९ उ क स पा त ९ हा गा प ९ प ता प प ९ र वा न स त्का य
 हा गा प ता प त्र जि या ॥ र वा न थु कि १ हा य का डी
 थ प प्र ता प ॥ थ प ॥ व्या ल ल ल र वा ला ॥ सा ड ॥ वि र व थ
 थ लि स वा ला व कू थ न ॥ त्र पा ला गा स कू रु या शी
 शो नि गा त ॥ आ त ३ सा ल ॥ अ द न म त्र ॥ ॐ ने मा र व न
 र द्रा पः त्रि ला व ना य स्वा हा ॥ व थ न ॥ का ल स त प ॥
 पू जा वि य दि न ३ त्र द हा मा शी क कू कि ९ दान वि ॥

वाद्य रूपन ग्रह ॥ ॐ नमोः पिन ३ मास ३ वर्ष ३ पूत
ना ग्रहन शुद्ध या न ३ न ॥ रवात्
द निडा ॥ सु तो पु डा ॥ गो ल ह न व
नि डाः दु ले म द यि डाः ज्या यू डाः
इ म तो नि डा ॥ वाद्य रूपन चा
स कृ य डा ॥ थु त न सा म्बि ॥ आ म

त स सा स रि व न वि न ॥ पा ता त न चो यः स्व सि पू त
थि ता त चो ढ चा का या डाः स्वा ल थ यः के कु ण
या जा थु या ग स्वा ल पा त ९

मा उ स पा त १० के म पा त ९ का गा प ९ प ता प पू र्वा
ल स स्वा य हा गा प ता प ९ ना गि या र्वा ल धु हि १ हा य के ॥
सा इ प्र चो न मा ध्य स्वा य ॥ धूप ॥ न का प त्ता सा ढ
वि षु ति र ह लो स्तान ॥ न मा का गा स कू क पा डा ॥ ना गि
गाले ३ आ वा सि चा ति ३ ॥ म म् ॥ ॐ नमोः र ग व नः ना
ब ना य स्वा हा ॥ के कु ण पु का दे स्वा पा डा वा वि य ॥ पू
पि त वा द्रि स ॥ द हि न स थ न ॥ थु त न सा म्बि ॥ स ह ॥

कंकु ७ १ जानवी म ॥ ७७ ७७

मूसमहुकरप ॥ १ कुं मा ४ मूरवमहुका म ॥ दिन ५
नंग ॥ मास ५ वर्ष ५ मूरपमहुका यगि म
नहुन यात किन ॥ कन पु यद ॥
या थ त्या यडो ॥ ला ला ने सु सु
वि यडो ॥ रवा यडो ॥ थ सा वल
आ यडो ॥ मो सा क द मु दः धु न
या ला नी ॥ आ म न स सा स वि न थि ले ॥ पु य
न थि ला या वा क या द ॥ सु न थ य ॥ पु य
१ प ता फ पु २ ॥ कंकु ७ १ या कि थ ला ला जा व

मयवथने नरववाल होल होल न ३

७ ॥ रवाल वा २ मा ७ स मा न ॥ ० क स पा न १ पें ता प
रवा ला स त्या य ॥ ला मा प ता प ना गि या रवा धु कि १
न य ला क पु चा न ॥ क रि ला स पु न डो ॥ ला म स ना प
का डा द ॥ म च का य ॥ ध पा द ध ल ला का पु का
गि या स शि व नि मी त त्या न आ द स ला पु न क
थ स द ॥ ला मा स क रु य ॥ ला वि ला व ला २ मी
मु ॥ ३ न मा व व ल धु र ना य ॥ स क सा यः कि म
ल ध ना य वि श्रु त ध न य ॥ र द र प न व द न
स न क न ति वा न तं कः त्या ला प्र जा यि त वा वि

विजयनननगुह॥

ॐ नमोऽविजयनगुहाय॥ दिव्य
गमासजवस्विगवीजयननगुहा
हृदाया नकुनथसावतलोग
मालस्याकमास्वकडीव॥ दूर
मतीड॥ कातडाइडा॥ खान
दुयिका॥ मिरवा मकनिका॥ मात

हनवी निव॥ अनिहिलीव॥ वीरथीरुयव॥ मालचार
जयवहतिखालनचाहसव्यायव॥ थमा सान्ति॥

आमरसः सासः पनथलैः प्रयितो विता सचीन
पाकयाव॥ हनथय॥ रुगाएव यतापय ४ पंच
ग॥ कंकुत छि९ या गाथयाव॥ खालपात ४ मातिका
१९० कसयाता १ गव १ प्रव १ च तौ माधु ज्ञं य॥ धृष॥
माग खयापा साह विष्पलिथूत कथं डाव॥ नयासगा
सकं रुपाज॥ नागि गाते २ मालवा सिद्धा नि ३ नमः॥
ॐ नमोऽविजयवतं नावनायः त्रिशक प्रावस कगाय॥ सर्वज
हमा कुकगोयः पछलोल विजाल गृहन्द रस्याह नि
पिते वा हि सः वथं नः नृपे थो यागी जान वि य व
कंकुत १ नडा गृह पूजाया म १७

स्वात्मनेवतिरूपनगुरु ॥ १६ ॥

कुनमो॥ स्वास्करवनिग्रहाय
 दिनतमासवर्षस्वास्कर
 वनिग्रहानंदकायंतकून॥ रघु
 तशव॥ नयमपद॥ पिचानरुम
 ददताहानियांकुद्विधिव॥ १॥

नैपुण्यं ॥ कृत्वा यत्नं स्वयम् ॥ चाक्षुषं सगुणं यत्नं
 दिनसंज्ञासद्विद्वत् ॥ महिः ॥ नृपतिगच्छायि

स्वाहा॥ वी० वा० दि० ॥ द० दि० न० अ० क० मा०

नमो विष्णवे ॥

व॥ स्वास्फलवतिग्रहनरवायिव॥ द्युतंयासासि
 अमनससासद्विनधि॥ र्वदश्याचाकया
 रचय॥ द्वागापुवपतापपूरपंचतंग॥ कंकु ७९
 जाव्याव॥ रवापात२ मो७ सपात९ ७६ सपात९
 द्वागापतापत्रागिषारवातधृष्टितय॥ पतापरव
 सत्वाय॥ द्युपासिक्कास॥ नागिसादृसिद्युतं कुं
 चलाव्या॥ द्यागासक६ द्याव॥ नागिगात्र३ माल
 अदस३ मम॥ कुंनप्रसंकस्वत्राय॥ प्रतीचम्रा

गद्य १२-८ अक्षर ३३-१२

जाम्बुकरपनग्रह

ॐ नमो ॥ ब्रह्म कृष्णार्थ ॥ दिन ८ व
मास ८ वर्ष ८ शंभु कृष्ण जीन्या
रुन ॥ भद्र विव ॥ नय मय युव ॥ न
म चाय यवि शं ॥ मि र्वा मरि निडा ॥
खा न र नून चा निडा ॥ सा न नून
स न न ग ग यव ॥ भृति मरि ८ ॥ ग
॥ किसि र्वा ल न चा ॥ स र्वा यडा ॥
ग म न स सा स वि वि ॥ प्वा कि प्र ८ ॥

कायात् कं क निहाव ॥ रथय । कागाप् १ पतापप् २ रघ्वतं
 स्वाय ॥ के कृ ७ १ गोथ्या ३ ॥ रवातपात २ मा ७ सपाता १ ८ क
 सपात १ कागापताप नौगिया रघ्वलधृकि ॥ तं य नोप् प्र वा
 गौ कल सारवल कलि माध काया धूप ॥ सद ता कः वा
 भृ गु नि । धेल नवा ताव कथने । रया कागा स कृ क पा ३
 गोगि गाल ३ सत जाद स ३ कुं नं मु ॥ ॐ ल कृ २ म नाद
 क तना त्वं ज य ध गोय ॥ गृ ह्म सति त हा २ म् च २ कृ ता कं
 स्वा हा ॥ पित वा हि स ॥ द हि थ नो ॥ दो न ३ विय के कृ ७ ७
 १ दान विय ॥ शुभ्र

अथ उपनयन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथादिबटमास
तवर्षट्वाहगृह नमोनया न हुनं
जनधायिव ॥ जोलनडा वंगरुयी
व ॥ यनगो गुरुयिव ॥ जोलननचा
निडा ॥ विया २ मपड गातिरिह
यिव ॥ मरुक ॥ ग्वगोध रवातनं
द्रसख्यायिव ॥ धनया तोमि ॥ अम स स सा सखिन
यि ॥ प्रवाक प्र १ रनया डो हतिदिडा नापनिडा

रथय ॥ के कू ७ १ जोध्याव ॥ रवातपात २ लागाप १
पतोप २ रवापात सत्यायः लागापतप गोगिया रवा
तधुयि ॥ रवातपात १ मो ७ स ८ क स पात १ पुपुप्रवा
गलाममाधुयि ॥ धूप ॥ शाखं छे वालगा ६ १ धन
रुथडाव ॥ रया लागा सकुदयाडा गोगिगा १ ३ भा १
शुद्ध ॥ ॐ नम ॥ वृद्धा पाळ ६ १ वपुदव ता मोनव
रु २ र तासन १ २ २ नरु निवात कं १ २ नरु नरु मिदं स
ता ॥ पि न वाद्रि नति ॥ वथन ॥ के कू ५ १ गाकि दान
विय ॥ पुता दिन ३ थन नसा मि ७ ९

ल वनि रूपन गुप्ता

ॐ नमः तवति प्रसूय ॥ दिन १०
मास १० वर्ष १० तवति गुप्तन ॥
गया नरुन ॥ कन धा वृडा ॥ दु
पाशु नडा विदामि रवान मरव न
नसा मनडा रवति न रवान क्राद
यिडा रवति नडा प्रुडा ॥ रवति
नेता प्रुचा उद्य क्रादः महिड ॥ पात्वा यिडा विद
न रूपन चा प्रु सख्या डा ॥ धन या सा मि ॥ अम त

स सा स विधि ॥ प्रुवा कः कयन न चा वि नि डा
रथय ॥ लागा प्रु पता पप्रु १ रवान स त्याय ॥ क कू ६ १
गा ध्या डा रवान पाल २ माद स पात १० क स पात १ ला
गा पता पगा गिया रवान धुति तयः ता प्रु प्र चात ॥ ध
न क सि सा रव ल मा ध क्राय ॥ धुपा सा स रवा या पा
सा ड वि प्र ति य न धन कू पन र्या लागा स क
रु या डा ॥ ता गिगा त ३ क रवान ३ मप्रु ॥ ॐ नम
र ग व रवा ता हि द कू व ॥ सा ३ म प्र २ क मा
न क सा रवा ता ॥ विन वा ॥ यन ॥ प्रु गा वि
सा वि य दिन ३ कू ७ ॥ ७३ ६ ६ ६

सिद्धयनगुरु

ॐ न

मास १

इथात ३

दिन १२

मदगुप्तन ३०

मा ७ चास्यी

ज्यायिव मेरवा स्नायिक जो लन

प्रयुव ॥ स्नास्यायिव ॥ दिव ॥ लि

गोलासन के म रुयिव ॥ चं घाथ

उत्तायिनि द म ३० ३३ ॥ ययुडाने इयुव सिद्धन

प्रनर्यायिव ॥ थ न वा सा मि ॥ अ म न स सा स रि

न थि गो ३ ॥ र्व सि यिता थिता स चो न गू चा

क मा ३ ॥ थ य ॥ के कु ७ १ गो थू या व रवा त पा ३

ला गा प्र १ प ता पे प्र ३ प्रा गिया रवा न धृष्टि १ लाय के

रवा त स स्वाय ॥ मा ७ स रवा त पा न १ ॥ ८ क स पा न १ स

ता ३ पि त वा त व न ॥ थ स्व ता नि ता ३ ॥ रवा १ १ ५

का ३ ॥ र्या ० ६ ॥ त य ॥ रवा म रुय के पा म न व

६ ५ का ३ ॥ र्को रवा य के ॥ धूप ॥ ह न धा त म

न सि त व ष्णि या पा ॥ स रवा या ६ ग्रा हा थ न क थ

३ ३ ॥ त मा ला गा स ॥ य ता गि जा त ३ आ द वा सि

३ ३ ॥ त मा ला गा स ॥ य ता गि जा त ३ आ द वा सि

३ ३ ॥ त मा ला गा स ॥ य ता गि जा त ३ आ द वा सि

३ ३ ॥ त मा ला गा स ॥ य ता गि जा त ३ आ द वा सि

३ ३ ॥ त मा ला गा स ॥ य ता गि जा त ३ आ द वा सि

न र वि य ॥ ३३ ६ ६

तय प्रार्य गदि
मि त्रिपिठि गु
नाथ सर्वथा

पन ॥ नापौतेपिष्टिकाग्रह नग
॥ ५ ॥ स मा मया इदु सायुक्ष ॥ ति

॥ यमचाह निवः सती तै गानि वः वषा प
 ॥ व ॥ स्रु पिडा ॥ माम मय यिव था

प्राथम्येन यथा मया विवर्तयतां जानामि विवर्तयते ॥
न चोत्तरं न मसि तस्मात् विवर्तयते न चोत्तरं न मसि तस्मात्
यथा मया ॥ अथ मया तस्मात् विवर्तयते न चोत्तरं न मसि तस्मात्
यथा मया ॥ अथ मया तस्मात् विवर्तयते न चोत्तरं न मसि तस्मात्

[illegible]

११

अथ खननी ॥ ॥

कुंभा श्रुत्वा वाचा ॥ नालि श्रुय ॥ नालि थुन नकातसा
मेचा रुहि निडा इलः मचा वयनः लोव २ लनिडा
उठा सः रवडा सः जने थुननः नालि च निडा सिथ

कै ॥ मचा वय इलः पुडा तलसाः नागा नाम काया
प्या नन याया चिके नसु कैः वाथ सः नाला यात मत वि
य चाद ३ः चिके नसु यः जि मा यात मत वि य रखा
का म य लो ॥ ॥ ॥ नालि ॥ दि मिं २ रवा

कुं धया डा न या द य ॥ ॥

वा वि मा सः म्वा
दि सान.

नागा
११
११

नरना

गखच

नसा

यिडा

पति॥

॥तिः॥

॥नातिः॥

॥नातिः॥

पिडाः

॥तिः॥

॥तिः॥

॥तिः॥

॥तिः॥

॥तिः॥

नाति वा निडा खट्टिनया मयुनि रु
नाति वा निडा या द खन सिय के ॥
क्रुपु ते पडाः खट्टिन न्यतः पित गीत सिय के
नाति । न कु सः खा ५ स सनिडा वा त द न सिय के
नाति अति नं नि कु स सनिडाः म नृ ख या दा व सिय

नाति च्छा का र च व रु स सनि म हिन सिय के —
नाति नि कु स सता सितिन सनिडा मूसा न या दा
सिय के ॥ ॥ नाति डा रु ति डा थ पी सनिडा
पदा म न मि रु ह य द सिय के ॥
खट्टि दे ना थ आ ग्या का विपति

नानि सात रूत नडा सि यक
नानि नोडा सानिडा मि र य दं सि यक
नानि को नोडा सनि ना थो नया दो ख न सि य
नानि मि वा द्या थः सनि डा न डा कुरु पा दो ख
न सि यक

नानि दग्ग र सनि डा रू डा या दो ख न सि यक
नानि थिकि र सनि डा मू सान या दो ख नं अथ वा
नन सि यक ॥ नानि का हा डा स्य डा ह्य नेश
नानि थाना डा या डा
दो ख न सि यक

नानि

4

पञ्चाङ्ग-सारायक

॥ नानि नत रत्न रत्निका वृधया दा

लयक ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

३३५

ॐ नमस्तुभ्यो निःसर्वतस्तु निरवाह ॥ ॥ श्रीगुरुध्याना

मैवनाथव्रतदूरविविक्तः शोभितसविधस्तथा

निरुयः क्षमनि जपा ॥ ति य स तु ना म य

ॐ ह्रीं क्लीं श्री गुरु ग्या नं श्री तीर्थ वि

पञ्च तशा तशा गौ तद्वना

गासय

॥ चंद्रमाया नमन विद्य ॥१२॥

गने सयात दगा ॥ तन का नः माहा
रजाः वृयात न पूजा ॥ थु न न सीति ॥

॥३॥ मिथु न नासियाः पंच तथा गत पूजा ॥ मध
दग्र तिस पूजाः ७ रासा चाति पूजाः ८ राचा नद ॥ थु न न सीति

॥४॥ क्रक न नासियाः पिथिमा ना पूजाः चंद्रमाया
नमन विद्यः १२ कन खस वति विद्यः गने सप
तिस पूजाः तिस पूजा २ मयः पिच सस्य सा
स पूजा २ ॥ तन यात वतिः ७ रा
यि

977

२	१	१२	मि
	म्व टव	११	कू
क ४	नासि	१०	म
मि	७	१२	ध
क ५	७	८	वि

ॐ	पु	आ					
आदि	सनि						
	प						
	रु						



धृत किं सलिसि नात कलम
मस्या मे माहादेश कि वाचा ॥ ॥ थ
जने रुको ॥ चाक सिसा वृसा मि थादिस ज
पान के ॥ कस्य शय के ॥ मम ॥ शमि वरु द्या सक

याति ती न म सति स वृया शी माहा ^{नि} रुय पिय स
पुनः ॥

मन्त्राय

हि दंष्ट्रिन कारिकां दे विहं। हन
व न यय मातः ॐ कारिका व न का
नि चोहा १०० ६ व न ज प ट प ध्या न पाय
मा न धू ज दि प पूर्व अ स्त सृ ग ध्या गा कू न धू प

न प ज्ञा जी न वा हान न प य का पू ज्ञा या न
द य जी ग द का या न र्वे श न स ह

सि न क म नि का न म्नां

ASHA ARCHIVES



ASHA ARCHIVES